



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 109]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 10, 1989/कार्तिक 19, 1911

No. 109]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 10, 1989/KARTIKA 19, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारत निर्वाचन आयोग

अधिसूचना

नई दिल्ली 9 नवम्बर, 1989

ध्या. प्र. 209(अ).—राष्ट्रपति ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 12 के अधीन जारी की गई और भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-2, खण्ड 3(ii) में उसी तारीख को का.प्र. सं. 898(अ) और का.प्र. सं. 898क(अ) में प्रकाशित, अपनी तारीख 1 नवम्बर, 1989 का दोनों अधिसूचना सं. एक 13(4)/89-विधिक-II द्वारा, दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र के निर्वचकगण के सदस्यों से यह अपेक्षा की है कि वे उक्त अधिनियम के उपबन्धों और उसके अधीन बतये गए नियमों और दिए गए आदेशों के अनुसार दो सदस्यों को, उनकी पदावधि के अवसान पर 20 नवम्बर, 1989 को नियुक्त हो रहे दो सदस्यों के स्थानों को भरने के लिए, निर्वाचित करें,

और निर्वाचन आयोग ने, उक्त अधिनियम की धारा 39 की उप-धारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में जारी की गई तारीख 1 नवम्बर, 1989 को अपनी दोनों अधिसूचना सं. 318/दिल्ली/89(1) और

318/दिल्ली/89(2) द्वारा उन निर्वाचनों के संकलन के लिए विभिन्न तारीखें नियत की हैं,

और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली ने तारीख 3 नवम्बर, 1989 को आयोग से उक्त द्विपक्षिक निर्वाचनों को, जिनके बारे में कार्यवाई तारीख 23 अक्टूबर, 1989 को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा के 14 के अधीन राष्ट्रपति की अधिसूचना जारी होने से आरम्भ हो चुकी है, वर्तमान लोक सभा के निर्वाचन समाप्त होने के बाद, किसी उचित तारीख को कराने के लिए स्वीकृत करने के लिए अनुरोध किया है, चूंकि दिल्ली संघ राज्य-क्षेत्र के निर्वचकगण के अनेक सदस्यों ने उन्हें यह अनुरोधित किया है कि वे राज्य सभा के लिए प्रस्तावित द्विपक्षिक निर्वाचनों के विभिन्न स्तरों पर भाग लेने में समर्थ नहीं होंगे क्योंकि वे लोक सभा के लिए संसद निर्वाचन में पहले से ही विजे हुए होंगे,

और, आयोग को जनता दल से भी अनुरोधित प्राप्त हुआ है और समाचार पत्रों में आई विभिन्न प्रेस-रिपोर्टों से भी आयोग ने यह देखा है कि राजनैतिक दल उक्त द्विपक्षिक निर्वाचन को स्वीकृत करना चाहते हैं;

और, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली से प्राप्त पत्रपरिचय, जनता दल के अध्यक्ष-देन और प्रेम-नरसिंहों का ध्यान में रखते हुए, निर्वाचन आयोग ने पुनर्विचार करने के बाद यह निर्णय लिया है कि दिल्ली राज्य सभा के उक्त द्विद्वितीय निर्वाचनों को स्थगित किया जा सकता है और इन चर्च में जारी की गई सूचना अधिसूचनाओं, विधिविधान को जा सकती है;

और, निर्वाचन आयोग ने, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 को धारा 12 के अधीन राष्ट्रपति को, उनके द्वारा 1 नवम्बर, 1989 को जारी की गई अधिसूचनाओं को विधिविधान करने के लिए राष्ट्रपति से सकारित को और राष्ट्रपति ने, भारत के राजपत्र, अग.धारण, भाग-II, खण्ड 2(ii) से 6 नवम्बर, 1989 को प्रकाशित उसी तारीख को उनकी अधिसूचना सं. एफ. 13(4)/89-विधिक-II के द्वारा, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 को धारा 12 के अधीन उक्त उक्त अधिसूचनाओं को नवम्बर विधिविधान कर दिया है;

अतः, अब, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 को धारा 39(1) साधारण खण्ड अधिनियम 1897 (1897 का 10) को धारा 21 के साथ पठित उस अधिनियम को धारा 153, संविधान के अनुच्छेद 324 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग ने दिल्ली संघ राज्य-क्षेत्र से राज्य सभा के लिए द्विद्वितीय निर्वाचनों के संबंध में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 को धारा 39(1), 56, 21 और 22 के अधीन जारी की गई तारीख 1 नवम्बर, 1989 की अधिसूचना सं. 318/दिल्ली/89(1), 318/दिल्ली/89(2), 318/दिल्ली/89(3), 318/दिल्ली/89(4) और 318/दिल्ली/89(5) को विधिविधान किया है।
[सं. 318/दिल्ली/89]

आदेश से,
के.पी.जी. कुट्टी, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th November, 1989

O. N. 209(E).—Whereas the President by his two notifications No. F. 13(4)/89-Leg. II both dated 1st November, 1989, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3(ii) of the same date under S.O. No. 898(E) and S.O. No. 898A(E), issued under section 12 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951) was pleased to call upon the members of the electoral college of the Union Territory of Delhi, to elect, in accordance with the provisions of the said Act and the rules and orders made thereunder, two members, for filling the seats of the two members as would be retiring on 20th November, 1989, on the expiration of their term of office;

And whereas the Election Commission has, by its Notifications No. 318/DL/89(1) and 318/DL/89(2) both dated 1st November, 1989, issued in pursuance

of the provisions of sub-section (1) of section 39 of the said Act appointed the various dates for the conduct of those elections;

And whereas the Chief Electoral Officer, Delhi requested the Commission on 3rd November, 1989, to postpone the said biennial elections to some suitable date after the conclusion of the current General Election to Lok Sabha, the process of which has started with issue of Presidents notification under section 14 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951) on 23rd October, 1989, as a number of Members of the Electoral College of the Union Territory of Delhi had represented to him that they will not be able to participate in the various stages of the proposed biennial elections to the Council of States as they would be pre-occupied with the general election to Lok Sabha:

And whereas the Commission has also received representation from Janata Dal and has also seen various press reports appearing in the newspapers that the political parties want the said biennial elections to be postponed;

And whereas after taking note of the communication from the Chief Electoral Officer, Delhi, representation from Janata Dal and press reports, the Commission has decided, on reconsideration, that the said biennial elections to the Council of States from Delhi might be postponed and the relevant notifications issued in this behalf be rescinded;

And whereas the Commission recommended to the President to rescind the notifications issued by him on 1st November, 1989 under section 12 of the Representation of the People Act, 1951, and the President has accordingly rescinded the above referred notifications under section 12 of the Representation of the People Act, 1951 by his notifications No. F. 13(4)/89-Leg. II, dated 6th November, 1989, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3(ii) of the same date;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Article 324 of the Constitution, section 153 of the Representation of the People Act, 1951, read with section 39(1) of that Act, section 21 of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897) and all other powers enabling it in that behalf, the Commission hereby rescinds the notifications No. 318/DL/89(1), 318/DL/89(2), 318/DL/89(3), 318/DL/89(4) and 318/DL/89(5) all dated 1st November, 1989, issued under sections 39(1), 56, 21 and 22 of the Representation of the People Act, 1951, in connection with the biennial elections to the Council of States, from Union Territory of Delhi.

[No. 318/DL/89]

By Order,

K. P. G. KUTTY, Secy.